tonnes, with option for additional 0.25 million tonnes, of Bailadila iron ore during the current financial year. The total value of this contract is approximately rupees thirteen crores.

FOREIGN COLLABORATION

279. SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether any cases of foreign collaborations were approved by Government during January to October, 1968;

(b) if so, how many; and

(c) in which sectors of industry these collaborations were approved ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) Yes, Sir.

(b) 111.

(c) The sectors of industry covered by these collaborations are :

Ferrous and non-Ferrous metal products; Industrial machinery; Machine Tools; Textile Machinery; Electrical machinery—material and apparatus; Chemical and pharmaceutical products; Tractors; Engineering and non-Engineering industries.

शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे का बड़ी लाइन में परिवर्तन

280. श्री महराज सिंह भारती :

श्री भारत सिंह चौहान :

श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :

श्री हरदयाल देवगुण :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शाहदरा-सहारनपुर लाइट रेलवे को जो चारों ओर से बड़ी लाइन से जुड़ी हुई है, बड़ी लाइन में परिवर्तित करने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है;

(ख) क्या यह सच है कि अगले वर्ष मार्टिन एण्ड कम्पनी का ठेका समाप्त हो रहा है और ठेके के समाप्त हो जाने और उस लाइन के राष्ट्रीयकरण के बाद इस लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने का कार्य आरम्भ किया जा सकता है; और

(ग) यदि हां, तो इस कार्य पर कितनी लागत आने का अनुमान है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) इस लाइट रेलवे को बड़ी लाइन में दलना व्यावहारिक है या नहीं, यह जानने के लिए टोह इंजीनियरिंग-एवं-यातायात सर्वेक्षण (Reconnaissance Engineering-cum-Traffic Survey) किया जा रहा है।

(ख) और (ग) . ठेका समाप्त होने के लिए कोई समय-सीमा निश्चित नहीं है, लेकिन ठेके के अन्तर्गत लाइन खरीदने का अगला आवधिक विकल्प 1969 में पड़ता है। फिर भी, यह विनिश्चय किया गया है कि इस विशेष विकल्प का उपयोग न किया जाये क्योंकि खरीद बहुत अलाभप्रद रहेगी।

बढ़िया किस्म का कोयला

281. श्री महाराज सिंह भारती : क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या घटिया किस्म के कोयले से बढ़िया किस्म का कोयला बनाने के तरीके का, जिसका प्रयोग इस्पात के उत्पादन के लिये भी किया जा सकता है, तकनीकी दृष्टि से पूर्ण विकास किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस आविष्कार के परिणामस्वरूप इस्पात की उत्पादन लागत में कितनी कमी हो जायेगी ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री राम सेवक) . (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठते।